बुनियादी उद्योग दे रहे अर्थव्यवस्था में जोरदार तेजी के संकेत

राहत

नई दिल्ली | जगदीश शेट्टीगर/ पूजा मिश्रा

अर्थव्यवस्था कोरोना से धीरे-धीरे उबरती हुई दिख रही है। इस्पात, बिजली और सीमेंट समेत बुनियादी उद्योग के आंकड़े अर्थव्यवस्था में तेजी के संकेत दे रहे हैं। बुनियादी उद्योगों की बदौलत औद्योगिक सूचकांक ने भी रफ्तार पकड़ी है। ऐसे में देश में रोजगार के अवसर बढ़ने, कारोबार में तेजी और सरकार का राजस्व बढ़ने से अर्थव्यवस्था के और तेज होने की उम्मीद है।

08 क्षेत्रों को शामिल किया जाता है बुनियादी उद्योग में

11.6 % की तेजी अगस्त में बुनियादी उद्योगों में

बुनियादी उद्योगों में भारांश

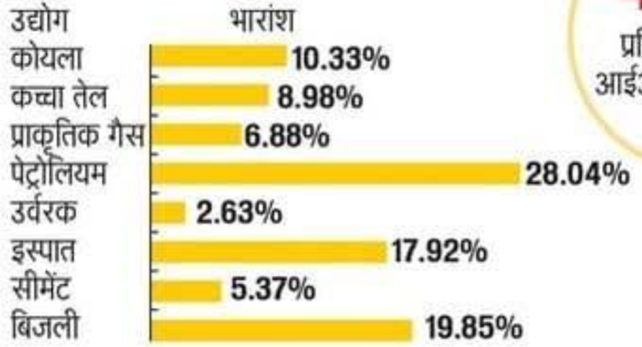

40.27 प्रतिशत भारांश है आईआईपी में बुनियादी उद्योगों का

बुनियादी उद्योग? आठ बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। बुनियादी उद्योगों का आईआईपी में 40 .27 प्रतिशत भारांश है।

तेजी के क्या हैं मायने

आठ बुनियादी क्षेत्रों में अगस्त महीने में सालाना आधार पर 11 .6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि जुलाई में आईआईपी में 11 .5 फीसदी की तेजी दर्ज की गई थी। जून से लेकर अगस्त तक लगातार तीन माह से बुनियादी उद्योग में तेजी जारी है।

उपभोक्ता से क्या है संबंध

बुनियादी उद्योग में बिजली, उर्वरक, सीमेंट और इस्पात भी शामिल हैं। इनमें तेजी का मतलब विनिर्माण, रियल एस्टेट और कृषि में वृद्धि है। इनमें तेजी आने से उपभोक्ता की खरीद क्षमता का भी पता चलता है। रोजगार के नए अवसर भी बनते हैं।

आईआईपी पर कैसे होता है असर

आईआईपी मुख्यत: विनिर्माण क्षेत्र की प्रतिनिधित्व करती है और समग्र रूप में औद्योगिक गतिविधियों का संकेतक भी है। आईआईपी में विनिर्माण क्षेत्र का 77 .63 फीसदी, खनन का 14 .37 फीसदी और बिजली का 7 .99 फीसदी भारांश है। यह मानक भी वित्त वर्ष 2012 के आधार पर है। यानी विनिर्माण में तेजी आती है तो आईआईपी में वृद्धि होना तय है। वहीं आईआईपी में तेजी आने पर यह पता चलता है विनिर्माण की गति तेज है।

mint